



Meeting with the Chief Minister on Mass Vaccination Drive

Date: 3.06.2021

MEDIA DOSSIER

PRINT MEDIA: THE TIMES OF INDIA, PRABHAT KHABAR

सीएम के प्रयासों की चेंबरों ने की सराहना

संवाददाता > कोलकाता

यस पीड़ितों के बीच मुख्यमंत्री ने बांटी राहत सामग्री

लघु बचत के मामले में बंगाल अटवल

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की विभिन्न चेंबरों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में जहां मुख्यमंत्री ने विभिन्न सुझाव दिये, वहीं, चेंबरों की ओर से भी मुख्यमंत्री के कार्यों की सराहना की गयी है. कोविड काल में राज्य सरकार द्वारा उठाये गये कदमों की चेंबरों ने प्रशंसा की.

भारत चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश सरावगी व वरिय उपाध्यक्ष एनजी खेतान ने बैठक में शिरकत की. श्री सरावगी ने बताया कि चेंबर की ओर से अपने कर्मचारियों के लिए टीकाकरण अभियान पहले ही शुरू किया गया है, जल्द ही टेक्सटाइल व होजियरी उद्योग में इसे शुरू किया जायेगा. चेंबर की ओर से पांच प्रमुख बाजारों में सैनिटाइजेशन कार्य किया जा रहा है.

मचेंट्स चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एमसीसीआई) के अध्यक्ष आकाश शाह भी इस बैठक में मौजूद रहे. श्री शाह ने कोविड का मुकाबला करने के लिए मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना की. उन्होंने बताया कि चेंबर की ओर से तीन प्रमुख बाजारों, पोस्ता बाजार, कॉलेज स्ट्रीट बाजार और कसबा में रामलाल बाजार का सैनिटाइजेशन किया गया है. इसके अलावा चेंबर की ओर से अन्य राहत उपाय भी चलाये जा रहे हैं.

बैठक में भाग लेनेवाले कनफेडरेशन ऑफ वेस्ट बंगाल ट्रेड एसोसिएशंस (सीडब्ल्यूबीटीए) के अध्यक्ष सुशील पोद्दार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने टीकाकरण अभियान में तेजी लाने को कहा है. इसे कनफेडरेशन ने काफी पहले से शुरू कर दिया है. इसके अलावा पाबंदियों में धीरे-धीरे ढील देने



कोलकाता. कोरोना वायरस की वजह से राज्य में लागू मीजूदा पाबंदियों के बीच एक बार फिर से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सड़क पर उतर कर लोगों की मदद करते हुए देखा गया. गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंत्री, फिरहाद हकीम के साथ अलीपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने यस चक्रवात और कोरोना पीड़ितों में खाद्य सामग्री बांटी. इस दौरान उन्होंने सोशल डिस्टेंसिंग का भी पूरा खयाल रखा. साथ ही, लोगों को जागरूक भी

की उनकी घोषणा का भी वह स्वागत करते हैं. श्री पोद्दार ने कहा कि मुख्यमंत्री टीकाकरण अभियान को लेकर बेहद गंभीर हैं. इसके लिए वह संगठनों व चेंबरों को हर किस्म की मदद दे रही हैं. यह स्वागतयोग्य है.

बंगाल चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से उसके अध्यक्ष देव ए मुखर्जी भी बैठक

किया. इसके पहले उन्होंने गुरुवार दोपहर राज्य सचिवालय नवान्न में उद्योगपतियों के साथ बैठक की. इसके बाद ही वह अलीपुर जिलाधिकारी कार्यालय के सामने पहुंचीं. राज्य की ओर से वहां राहत सामग्री वितरण की व्यवस्था की गयी थी. यहां पहुंच कर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कई लोगों को खाने का सामान सहित अन्य सामग्री सौंपी और उनसे बातचीत भी की. इस दौरान मंत्री फिरहाद हकीम और कई

में शामिल हुए. उन्होंने भी मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना की और बताया कि बंगाल चेंबर की ओर से मुख्यमंत्री की मुहिम में पूरी मदद की जायेगी. उन्होंने कहा कि टीकाकरण के लिए सभी को आगे आना होगा. उन्होंने बताया कि सैनिटाइजेशन व टीकाकरण अभियान भी चेंबरों की ओर से किया जा रहा है.

सरकारी अधिकारी मौजूद थे. जानकारी के अनुसार, इस शिविर में यस और कोरोना से प्रभावित कुल 500 लोगों को राहत सामग्री प्रदान की गयी. गौरतलब हो कि पिछले साल भी कोरोना के दौरान गरीबों को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कई दिन सड़क पर उतरती थीं. अलीपुर के वार्ड नंबर 74 में पहुंचीं थीं. वहां उन्होंने जरूरतमंद लोगों व रिक्शा चालकों में राहत सामग्रियों का वितरण किया था.

इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष विकास अग्रवाल ने मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कंपनी रूपा की ओर से विशुद्धानंद अस्पताल में 20 बेड प्रायोजित किये गये हैं.

एसेचैम के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने कहा कि काकद्वीप सहित दो स्थानों पर

कोलकाता. कोरोना काल में भी पश्चिम बंगाल राज्य सूक्ष्म व लघु बचत के मामले में अटवल स्थान पर है. इसकी जानकारी केंद्रीय वित्त मंत्रालय अंतर्गत एक नेशनल सेविंग्स इंस्टीट्यूट से जारी रिपोर्ट के जरिये दी गयी है. बताया गया है कि कोरोना काल में जहां छोटे से बड़े हर स्तर के लोगों की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ा है, वहीं इस दौर में भी बंगाल के लोगों ने न्यूनतम बचत पर विशेष जोर दिया. रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष के दौरान बंगाल में न्यूनतम बचत योजना के तहत डाकघर में जमा राशि एक लाख तीन हजार करोड़ रुपये से भी अधिक है. वहीं, मामले में उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है. इसी वित्त वर्ष में सूक्ष्म बचत योजना के तहत वहां कुल 93 हजार 980 करोड़ रुपये जमा किये गये हैं. देश में सूक्ष्म बचत के मामले में राज्य के अटवल आने के पीछे राज्य की सज्ज जनता व आर्थिक संस्थाएं हैं. वेस्ट बंगाल स्मॉल सेविंग्स एसोसिएशन के राज्य सचिव निर्मल दास ने कहा कि यहां के लोग बचत के प्रति जागरूक हैं व महामारी के बीच भी बचत पर ध्यान दे रहे हैं. वहीं, उन्होंने डाकघर के एजेंटों को असंगठित दर्जा देने की मांग की. कई बार अपील के बाद भी राज्य सरकार डाकघरों के एजेंटों को असंगठित श्रमिक का दर्जा देने को तैयार नहीं हुई.

इन एजेंटों को सरकारी परिचय-पत्र भी नहीं दिया जाता है, जिससे सरकारी सुविधाओं से वंचित रहना पड़ता है.

ऑक्सीजन प्लांट लगाये गये हैं. इसके अलावा रूपा की ओर से सेफ होम की व्यवस्था की जा रही है. साथ ही ऑक्सीजन कंसट्रिटर भी बांटे जा रहे हैं.

Form common pool to vaccinate workers: West Bengal CM Mamata Banerjee to industry bodies

TNN / Updated: Jun 4, 2021, 08:33 IST



CM Mamata Banerjee handing over oil, potatoes and pulses to daily labourers and workers who are without income due to the Covid restrictions. The distribution of relief was part of the Duare Tran programme held in Alipore on Thursday. Transport and housing minister Firhad Hakim and South 24 Parganas DM P Ulganathan were also present

KOLKATA: Chief minister [Mamata Banerjee](#), while interacting with various chambers of commerce and industry bodies on Thursday, urged the latter to come together to form a common pool for [vaccination](#) of workers. The committee, which will monitor the pool, will have members from all the leading chambers — CII, FICCI, Indian Chamber, Bengal Chamber, MCC, Bharat Chamber, Credai and BNCCI, along with others — and will be headed by chief secretary H K Dwivedi.

The CM, in the meeting, wanted the industries to support the government in vaccinating all workers. The proposal of the vaccination pool initially came from Bengal Chamber president Deb Mukherjee. FICCI Bengal region chairman Rudra Chatterjee added that they were conducting vaccination drive. Indian Chamber has also initiated vaccination for its employees. The CM said that the industries can take help from the health department in vaccinating their staff.

The health department will help in procuring and vaccinating the workers but the cost has to be provided by the industries. Banerjee stressed that the industries have to come forward to vaccinate super spreaders like the workers. "Industries can take the responsibility of arranging the vaccine and we will give all support," she said.

The CM said that keeping in mind the need and problems faced by common people, there was no curfew and there had been many relaxations from June 1. The IT sector can function with 10% staff. They can operate from 8am to noon and another shift can work between noon and 4pm. The CM added that the retail stores can operate between noon to 4pm following all norms and thus there was an hour increase.

She said that keeping in mind the need for domestic help, they are to be given vaccines on a priority basis as they work in several households. The CM said that the state was providing vaccines to hawkers, vegetable sellers along with drivers and conductors on a regular basis.

Commenting on cyclone Yaas, she pleaded to donate generously in the CM's relief fund so that the affected people can be supported properly. The CM said that the industries were also providing relief and in some places there are duplications, so she urged donations in the CM's relief fund so that all people can get proper help. "Collect the money and give it to the CM's relief fund, so that the state can disburse it. The government is there to help all people and the damage is to the tune of Rs 20,000 crore. Somebody is getting too much and some are not getting anything at all," she said.

The CM advised the chamber officials to adopt some affected villages. Bharat Chamber officials said they had adopted 14 villages in Kulpi. She wanted other chambers in providing healthcare facilities to villagers.